



Neutral Citation No. -

2026:AHC:56679

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

आपराधिक विविध अग्रिम जमानत आवेदन धारा 482 बीएनएसएस संख्या - 2323 वर्ष 2026

नवाब अंसारी उर्फ गुड्डू वारसी उर्फ फिटवेल टेलरआवेदक

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और अन्यप्रतिवादी

आवेदक के अधिवक्ता: अभिनव त्रिपाठी, देवाशीष मित्रा

प्रतिवादी के अधिवक्ता: शासकीय अधिवक्ता

न्यायालय संख्या – 72

माननीय न्यायमूर्ति जीतेन्द्र कुमार सिन्हा

1. हमने आवेदक के विद्वान अधिवक्ता श्री देवाशीष मित्रा और राज्य के विद्वान ए.जी.ए. श्री जे.पी. सिंह की दलीलें सुनीं और रिकॉर्ड का अवलोकन किया।

2. यह आवेदन मुकदमा अपराध संख्या 171/2024, धारा 411, 413, 414, 420, 467, 468 भारतीय दंड संहिता और धारा 41/102 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत, पुलिस स्टेशन हाफिजगंज, जिला बरेली में अग्रिम जमानत के लिए दायर किया गया है। इस आवेदन में यह प्रार्थना की गई है कि गिरफ्तारी की स्थिति में आवेदक को जमानत पर रिहा कर दिया जाए।

3. आवेदक के विद्वान अधिवक्ता ने यह तर्क दिया है कि आवेदक निर्दोष है और उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। आगे यह भी कहा गया है कि आवेदक का नाम प्रथम सूचना रिपोर्ट में नहीं है और उसका

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



नाम गिरफ्तार किए गए चार व्यक्तियों के इकबालिया बयान में सामने आया है। यह भी कहा गया है कि विभिन्न ट्रकों के कुछ जाली कागजात बरामद किए गए हैं। यह भी कहा गया है कि आवेदक मुकदमे के दौरान सहयोग करने का वचन देता है और जांच एजेंसी या न्यायालय द्वारा आवश्यकता पड़ने पर वह उपस्थित होगा। यह कहा गया है कि यदि आवेदक को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो वह जमानत की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा और जांच में सहयोग करेगा और जमानत की सभी शर्तों का पालन करेगा।

4. दूसरी ओर, विद्वान ए.जी.ए. ने अग्रिम जमानत के आवेदन का विरोध किया है।

5. प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार, चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और विभिन्न ट्रकों के कुछ जाली कागजात बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार व्यक्तियों के इकबालिया बयान में आवेदक का नाम सामने आया है।

6. यह उल्लेख किया जा सकता है कि सिद्धाराम सतलिंगप्पा म्हेत्रे बनाम महाराष्ट्र राज्य (2011) 1 एससीसी 694 के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह माना है कि अग्रिम जमानत का निर्णय करते समय न्यायालय को आरोप की प्रकृति और गंभीरता, आरोपी का पिछला रिकॉर्ड, आरोपी के न्याय से भागने की संभावना पर विचार करना चाहिए और आरोपी के खिलाफ उपलब्ध सभी सामग्री का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए तथा आरोपी की सटीक भूमिका पर भी विचार करना चाहिए।

7. इस मामले में, अग्रिम जमानत से संबंधित कानून के स्थापित सिद्धांतों, पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं की दलीलों, आवेदक की भूमिका और मामले के सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए, मामले की खबरों पर कोई राय व्यक्त किए बिना, अग्रिम जमानत का मामला बनता है।

8. अग्रिम जमानत आवेदन स्वीकार किया जाता है।

9. उपरोक्त मामले में आरोपी आवेदक नवाब अंसारी उर्फ गुड्डू वारसी/फिटवेल टेलर की गिरफ्तारी की स्थिति में, उसे 50,000 रुपये के निजी मुचलके और दो जमानती पेश करने पर अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाएगा, जो संबंधित न्यायालय की संतुष्टि के अनुसार समान राशि के हों। निम्नलिखित शर्तों के साथ:

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



(i) आवेदक साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा और वह निर्धारित तिथि पर ट्रायल न्यायालय के समक्ष उपस्थित होगा, जब तक कि संबंधित न्यायालय द्वारा उसे छूट न दी जाए।

(ii) आवेदक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी ऐसे व्यक्ति को प्रलोभन, धमकी या वादा नहीं करेगा जो मामले के तथ्यों से परिचित हो, ताकि उसे न्यायालय या किसी भी पुलिस अधिकारी के समक्ष ऐसे तथ्यों का खुलासा करने से रोका जा सके;

(iii) आवेदक मुकदमे के दौरान सहयोग करेगा और जमानत की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा।

(iv) आवेदक संबंधित न्यायालय की पूर्व अनुमति के बिना भारत नहीं छोड़ेगा।

10. किसी भी शर्त का उल्लंघन होने पर, अभियोजन पक्ष को आवेदक को दी गई अग्रिम जमानत रद्द करने के लिए उचित आवेदन दाखिल करने की स्वतंत्रता होगी।

18 मार्च, 2026

(न्यायमूर्ति जीतेन्द्र कुमार सिन्हा)

वीरेंद्र

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"